Online Exam.

2021

M.A. 1st Semester (CBCS) Examination

HINDI

Course Code- PGHD- I

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **10×2= 20**

क. हिन्दी साहित्येतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण की समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सिद्ध-नाथ और जैन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए।

ख. भक्ति आंदोलन के उद्भव और विकास में साहित्येतिहासकारों के मतों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भक्तिकालीन निर्गुण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **5×3= 15**

क. रासो साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

ख. निर्गुण एवं सगुण भक्ति के साम्य-वैषम्य पर प्रकाश डालिए।

ग. भक्तिकाव्य में लोकमंगल की भावना का विवेचन कीजिए।

घ. भक्तिकाव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

ङ. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध साहित्य से क्या तात्पर्य है?

3. **निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **1×5= 5**

क. "शायद ही भारत के इतिहास में इतने अंतर्विरोधों एवं विरोधों से भरा युग आया होगा।"- हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने यह पंक्ति किस काल के संदर्भ में कहा है?

ख. 'प्रद्युम्न चरित' कृति के लेखक का नाम लिखिए।

ग. 'हिंदी कोविद रत्नमाला' कृति कितने खंडों में प्रकाशित की गई है?

घ. 'लोकजागरण और हिंदी साहित्य' कृति का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

ङ. 'वैष्णवमताब्जभाष्कर' कृति के लेखक का नाम लिखिए।

x

Online Exam

2021
M.A. 1st Semester (CBCS) Examination
HINDI
Course Code- PGHD- II
हिंदी भाषा का विकास एवं देवनागरी लिपि

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **10×2= 20**

क. भाषा परिवार की अवधारणा बताते हुए आर्य भाषा परिवार का वर्णन कीजिए।

अथवा

हिन्दी भाषा की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

ख. हिंदी के विकास में इसकी बोलियों एवं उप-भाषाओं के योगदान की चर्चा कीजिए ।

अथवा

हिंदी वर्तनी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्याओं पर विचार कीजिए।

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **5×3= 15**

क. भाषा और बोली से क्या तात्पर्य है ?

ख. पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी के पार्थक्य को स्पष्ट कीजिए।

ग. राष्ट्रभाषा और राजभाषा के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

घ. 'संपर्क भाषा के रूप में हिंदी' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

ङ. हिंदुस्तानी, हिंदी और उर्दू के परस्पर संबंध एवं स्वरूप पर विचार कीजिए। **1×5= 5**

3. **निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

क. वैदिक संस्कृत में वाच्यों की संख्या कितनी मानी गई है ?

ख. 'कच्चान व्याकरण' किस भाषा का व्याकरण ग्रंथ माना जाता है ?

ग. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार 'अपभ्रंश' नाम का पहले पहल प्रयोग कहाँ मिलता है ?

घ. 'बिहारी' बोली के नामकरणकर्ता का नाम लिखिए।

ङ. प्रो. बूलर के अनुसार ब्राह्मी लिपि में स्वरों की संख्या कितनी है ?

X

Online Exam.

2021
M.A. 1st Semester (CBCS) Examination
HINDI
Course Code- PGHD- III
हिंदी कहानी साहित्य

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **10×2= 20**

क. प्रेमचन्द और जयशंकर प्रसाद की कहानी कला का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए ।

अथवा

हिंदी कहानी के विकास में विभिन्न कहानी आन्दोलनों की भूमिका पर विचार कीजिए ।

ख. 'बिखरते पारिवारिक मूल्यों के संदर्भ में 'पिता' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

संवेदना और शिल्प की दृष्टि से 'गैंग्रीन' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **5×3= 15**

क. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"किसी भी बात में हस्तक्षेप न करने के निश्चय के बाद भी उनका अस्तित्व उस वातावरण का एक भाग न बन सका । उनकी उपस्थिति उस घर में ऐसी असंगत लगने लगी जैसे सजी हुई बैठक में उनकी चारपाई थी । उनकी सारी खुशी एक उदासीनता में डूब गयी।''

ख. 'कफन' कहानी में अभिव्यंजित मानव के अमानवीकरण की त्रासदी पर प्रकाश डालिए ।

ग. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"यह नही कि शाहनी कुछ न जानती हो। वह जानकर बजी अनजान बनी रही। उसने कभी बैर नहीं जाना। किसी का बुरा नहीं किया। लेकिन बूढ़ी शाहनी यह नहीं जानती कि सिक्का बदल गया है।"

घ. "वापसी संयुक्त परिवार के विघटन की कहानी है ।"- इस कथन की समीक्षा कीजिए।

ङ. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"कैसा बुरा रिवाज है, कि जिसे जीते जी तन ढांकने को चीथड़ा भी न मिले, उसे मरने पर नया कफन चाहिए।"

$1 \times 5 = 5$

3. **निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

क. 'सप्त सरोज' कहानी संग्रह के लेखक का नाम लिखिए।

ख. जयशंकर प्रसाद जी की कहानी 'ग्राम' किस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी ?

ग. हीरामन ने किस सन्दर्भ में 'तीसरी कसम' खायी ?

घ. 'उसने कहा था' कहानी में कहानीकार ने किस शैली का प्रयोग किया है ?

ङ. दो मनोविश्लेषणवादी कहानीकारों के नाम लिखिए।

X

Online Exam.

2021
M.A. 1st Semester (CBCS) Examination
HINDI
Course Code- PGHD- IV
हिंदी पत्रकारिता

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **10×2= 20**

क. समाचार की परिभाषा स्पष्ट करते हुए समाचार के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वैश्विक संदर्भ में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका पर आलोकपात कीजिए।

ख. स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रिकाओं की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतेंदु युगीन साहित्यिक पत्रिकाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **5×3= 15**

क. लघु पत्रिका आंदोलन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

ख. गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी पत्रकारिकता के महत्व पर प्रकाश डालिए।

ग. पत्रकारिता के क्षेत्र में बाबूराव विष्णु पराड़कर जी के योगदान का मूल्यांकन करें।

घ. टेलीविजन पत्रकारिता वर्तमान में कितनी प्रभावी है सिद्ध कीजिए।

ङ. डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता की दशा पर आलोकपात करें।

3. **निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **1×5= 5**

क. अज्ञेय द्वारा संपादित किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

ख. ऑनलाइन उपलब्ध होने वाली दो साहित्यिक पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

ग. किन्हीं दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों के नाम लिखिए।

घ. 'हिंदोस्थान' त्रैमासिक पत्रिका का संपादन किसने किया था ?

ङ. 'आलोचना' पत्रिका के पहले संपादक का नाम लिखिए।

X

Online Exam.

2021
M.A. 1st Semester (CBCS) Examination
HINDI
Course Code- PGHD- V
मध्यकालीन काव्य

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **10×2= 20**

क. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नागमती–वियोग खंड के आधार पर जायसी के काव्य में वर्णित बारहमासा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

ख. तुलसीदास की भक्ति-भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

मीरा ने शृंगार की उच्छृंखलता को अध्यात्म की गंगा में डुबोकर निखार दिया है।" – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

2. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **5×3= 15**

क. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

आयो घोष बड़ो व्योपारी।
लादी खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतारी।।
फाटक दैकर हाटक माँगत भौरे निपट सुधारि।
धुर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारि।।
इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी ?
अपनों दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी।।
ऊधो जाहु सबार यहाँ तें बेगि गहरु जनि लावौ।
मुँहमाँग्यो पैहो सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ।।

ख. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

"यत्पूर्व प्रभुणा कृतं सुकविना श्रीशम्भुना दुर्गमं
श्रीमद्रामपदाब्जभक्तिमनिशं प्राप्त्यै तु रामायणम्।
मत्वा तद्रघुनाथमनिरतं स्वान्तस्तमःशान्तये
भाषाबद्धमिदं चकार तुलसीदासस्तथा मानसम्।।

ग. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

चैत बसंता होइ धमारी। मोहिं लेखे संसार उजारी ॥
पंचम बिरह पंच सर मारे। रकत रोइ सगरौं बन ढारै ॥
बूडि उठे सब तरिवर-पाता। भीजि मजीठ, टेसु बन राता ॥
बौरे आम फरैं अब लागै। अबहुँ आउ घर, कंत सभागे ! ॥
सहस भाव फूलीं बनसपती। मधुकर घूमहिं सँवरि मालती ॥
मोकहँ फूल भए सब काँटे। दिस्टि परत जस लागहिं चाँटे ॥
फिर जोबन भए नारँग साखा। सुआ-बिरह अब जाइ न राखा ॥
घिरिन परेवा होइ, पिउ ! आउ बेगि ,परु टूटि।
नारि पराए हाथ है, तोह बिनु पाव न छूटि ॥

घ. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

हेरी मा नन्द को गुमानी म्हाँरि मनड़े बस्यो।।टेक।।
गहे द्रुमडार कदम को ठाड़ो, मृदु मुसकाय म्हारी ओर हँस्यो।
पीताम्बर कट काछनी, काले रतन जटित माथे मुकुट कस्यो।
मीराँ के प्रभु गिरधरनागर, निरख बदन म्हारो मनड़ो फँस्यो।।

ङ. मेरा तेरा मनुओं कैसे इक होई रे।
मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी।
मैं कहता सुरझावनहारी, तू राख्यौ उरझाई रे।
मैं कहता तू जागत रहियो, तू रहता है सोई रे।
मैं कहता निर्मोही रहियो, तू जाता है मोही रे।
जुगन जुगन समुझावत हारा, कही मानत कोई रे।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **1×5= 5**

क. 'बीजक' के संपादक का नाम लिखिए।

ख. तुलसीदास को 'बुद्धदेव के बाद सबसे बड़ा लोकनायक' किस आलोचक ने कहा है ?

ग. पद्मावत में कुल कितने खंड हैं ?

घ. 'रागकल्पद्रुम' कृति का संपादन वर्ष क्या है ?

ङ. मीराबाई की दो प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए ।